विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस (World Cerebral Palsy Day)

सन्दर्भ: प्रत्येक 6 अक्टूबर को मनाया जाने वाला, विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस व्यक्तियों, परिवारों और समुदायों पर सेरेब्रल पाल्सी (सीपी) के विश्वव्यापी प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाता है।

- भारत में विकलांग व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय ट्रस्ट ने 6 अक्टूबर, 2023 को नई दिल्ली में विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस पर एक कार्यशाला की मेजबानी किया था।
- इस कार्यक्रम में पैनल चर्चा, अनुभव साझा करना और सेरेब्रल पाल्सी वाले व्यक्तियों के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा शामिल थी।
- विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस 2023 का विषय "टुगेदर स्ट्रॉन्गर" था, जो सेरेब्रल पाल्सी समुदाय के भीतर एकता और समर्थन पर जोर देता है।
- दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग इस दिन देश भर में कार्यक्रमों के माध्यम से सेरेब्रल पाल्सी के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने की कोशिश करती है।

सेरेब्रल पाल्सी (सीपी-मस्तिष्क पक्षाघात)

- सेरेब्रल पाल्सी (सीपी) गति, संतुलन और मुद्रा को प्रभावित करने वाले विकारों का एक समूह है और यह बचपन में होने वाला सामान्य विकलांगता है।
- यह मस्तिष्क के असामान्य विकास या विकासशील मस्तिष्क की क्षति के परिणामस्वरूप उत्पन्न होता है, जिससे मांसपेशियों पर नियंत्रण में कठिनाई होती है।
- सीपी के लक्षण प्रत्येक व्यक्ति में अलग-अलग होते हैं, जिनमें गंभीर मामलों से लेकर विशेष उपकरण या आजीवन देखभाल की आवश्यकता वाले हल्के मामले भी शामिल हैं।
- सीपी समय के साथ समाप्त नहीं होता है, लेकिन किसी व्यक्ति के जीवन के दौरान विशिष्ट लक्षण बदल सकते हैं।
- सीपी से प्रभावित व्यक्तियों को आमतौर पर चलने-फिरने और मुद्रा संबंधी समस्याओं का अनुभव होता है, साथ ही बौद्धिक विकलांगता, दौरे, दृष्टि या सुनने की समस्याएं, रीढ़ की हड्डी में परिवर्तन (जैसे स्कोलियोसिस) जैसी संभावित संबंधित स्थितियों का भी अनुभव होता है।

प्राथमिक विकार के आधार पर सीपी को मुख्य रूप से चार वर्गों में वर्गीकृत किया गया है :

- **स्पैस्टिक (Spastic) सीपी**: यह सीपी के लगभग 80% मामलों को प्रभावित करता है, इसमें मांसपेशियों में वृद्धि होती है, जिसके परिणामस्वरूप व्यक्ति अजीब हरकतें करता है। यह शरीर के विशिष्ट हिस्सों को प्रभावित कर सकता है, जैसे पैर (स्पास्टिक डिप्लेजिया/डिपैरेसिस), शरीर के किसी एक तरफ का भाग (स्पास्टिक हेमिप्लेजिया/हेमिपैरेसिस), या सभी चार अंग और अधिक (स्पास्टिक क्वाड्रीप्लेजिया/क्वाड्रिपेरेसिस) भाग।
- **डिस्काइनेटिक (Dyskinetic) सीपी:** यह हाथ, बांह, पैर, टाँगें, चेहरे और जीभ को प्रभावित करने वाली अनियंत्रित गतिविधियों के साथ लक्षित होता है, जिससे बैठना, चलना और बात करना जैसे कार्य चुनौतीपूर्ण हो जाते हैं।
- **एटैक्सिक (Ataxic) सीपी:** यह मुख्य रूप से संतुलन और समन्वय को प्रभावित करता है, जिससे चलने, तेज गति या सटीक क्रियाओं में बाधा उत्पन्न होती है।
- **मिश्रित (Mixed) सीपी:** इस प्रकार का पक्षाघात तब होता है जब व्यक्ति एक से अधिक सीपी प्रकार के लक्षण प्रदर्शित करते हैं, जिसमें स्पैस्टिक और डिस्किनेटिक सीपी मिश्रित सीपी का सबसे आम प्रकार है।

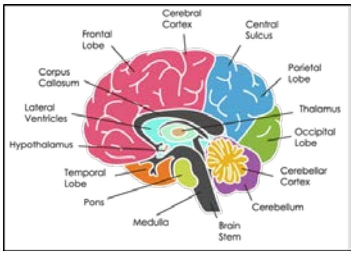

भारत में सेरेब्रल पाल्सी

- वैश्विक स्तर पर, लगभग 10% आबादी किसी न किसी रूप में विकलांगता से पीड़ित है, जबकि भारत में यह आंकड़ा 3.8% है।
- सेरेब्रल पाल्सी (सीपी) भारत में 15-20% शारीरिक रूप से अक्षम बच्चों को प्रभावित करती है।
- भारत में, सीपी की अनुमानित घटना प्रत्येक 1000 जीवित जन्मों में से लगभग 3 है, जो इसे देश में बचपन में होने वाली सबसे सामान्य विकलांगता बनाती है।
- भारत के अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव और प्रौद्योगिकी विकास के सीमित पहुंच के कारण सीपी का व्यापक स्तर पर प्रसार हुआ है।
- भारत में सीपी के स्थलाकृतिक वर्गीकरण में मोनोप्लेजिया, हेमिप्लेजिया, डिप्लेजिया और क्वाड्रिप्लेजिया शामिल हैं, डिप्लेजिया सबसे आम रूप है (30%-40%)। 61% मामलों में स्पास्टिक क्वाड्रिप्लेजिया होता है, जबकि हेमिप्लेजिया 20%-30% होता है, और क्वाड्रिप्लेजिया लगभग 10%-15% होता है।
- स्पास्टिक सीपी भारत में सबसे सामान्य प्रकार है, जो 70%-75% मामलों में होता है, इसके बाद डिस्काइनेटिक सीपी 10%-15% और एटैक्सिक सीपी 5% से कम होता है।
- ग्रॉस मोटर फंक्शन क्लासिफिकेशन सिस्टम (जीएमएफसीएस) का उपयोग भारत में सीपी की कार्यात्मक विशेषताओं का वर्णन करने के लिए किया जाता है, जो व्यक्तियों को उनके आयु समूह और कार्यात्मक क्षमताओं के आधार पर पांच स्तरों (I से V) में वर्गीकृत करता है।

भारत में पूसा-44 और ख़रीफ़ फसलें

सन्दर्भ: पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने घोषणा की कि राज्य अगले वर्ष से पूसा-44 धान किस्म की खेती पर प्रतिबंध लगाएगा।

- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा धान की किस्म पूसा-44 विकसित किए जाने के बाद पंजाब के किसानों ने 1990 के दशक में इसकी खेती शुरू की।
- प्रारंभ में, इसने अपनी उच्च उपज के कारण लोकप्रियता हासिल की, जो राज्य के धान की खेती के लगभग 70 से 80% क्षेत्र को कवर करती थी।
- हालाँकि, भूजल स्तर में गिरावट की चिंताओं के कारण कृषि विभाग और पंजाब कृषि विश्वविद्यालय द्वारा PUSA-44 की खेती को हतोत्साहित किया गया।
- 2018 तक, पंजाब सरकार ने PUSA-44 की खेती को कुल धान क्षेत्र के 18% तक कम कर दिया, लेकिन अगले वर्ष यह बढ़कर 22% हो गया।
- पिछले वर्ष, कुल गैर-बासमती धान क्षेत्र के 26.61 लाख हेक्टेयर में से 7.74 लाख हेक्टेयर (19.12 लाख एकड़) भाग पर पूसा-44 धान की खेती हुई थी।

पूसा-44 की खेती को हतोत्साहित करने के कारण

- पूसा-44 एक लंबी अवधि वाली धान की किस्म है, जिसे पकने में लगभग 160 दिन लगते हैं, अतः इसमें कम अवधि वाली किस्मों की तुलना में सिंचाई के 5-6 अतिरिक्त चक्र की आवश्यकता होती है।
- पंजाब सरकार का लक्ष्य राज्य में भूजल की गंभीर कमी को दूर करना है। इसके साथ ही कम अवधि वाली धान की किस्मों की उपलब्धता के कारण एक महीने के सिंचाई के पानी को संरक्षित करने के लिए PUSA-44 पर प्रतिबंध लगाना है।
- पंजाब में धान की खेती में पानी की अधिक खपत होती है और कई इलाकों को तेजी से घटते भूजल के कारण **'डार्क जोन'** घोषित किया गया है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- पूसा-44 पराली जलाने को बढ़ावा देता है, जो पंजाब में एक गंभीर मुद्दा है, क्योंकि गेहूं की बुआई के आदर्श समय से ठीक पहले इसकी कटाई की जाती है, जिससे पराली निपटान के लिए सीमित समय बचता है।
- पराली प्रबंधन के लिए सीमित समय-सीमा के कारण पराली जलाने की घटनाएं बढ़ जाती हैं, जो इस तथ्य से और भी बदतर हो जाती है कि पूसा किस्में अन्य किस्मों की तुलना में लगभग 2% अधिक पराली का उत्पन्न करती हैं।

ख़रीफ़ फसलें

- ख़रीफ़ फ़सलें, जिन्हें मानसून फ़सलें या शरद ऋतु की फ़सलें भी कहा जाता है, भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश में मानसून सीज़न के दौरान उगाई जाती हैं, जो आमतौर पर जून से नवंबर तक रहता है, यह क्षेत्र के अनुसार अलग-अलग होता है।
- भारत में प्रमुख ख़रीफ़ फ़सलों में चावल, मक्का और कपास शामिल हैं, और इनकी सफल खेती के लिए पर्याप्त वर्षा की आवश्यकता होती है।
- "खरीफ" शब्द की उत्पत्ति अरबी भाषा से हुई है, जिसका अर्थ है "शरद ऋतु", तथा यह मानसून के मौसम के दौरान बोई जाने वाली और शरद ऋतु के करीब काटी जाने वाली फसलों को संदर्भित करता है।
- ख़रीफ़ मौसम का समय अलग-अलग क्षेत्रों और फसलों के लिए अलग-अलग होता है, कुछ क्षेत्रों में बुआई मई की शुरुआत में शुरू होती है और अन्य में जनवरी तक चलती है।
- भारत में, ख़रीफ़ मौसम सामान्यतः जून में शुरू और अक्टूबर में समाप्त माना जाता है, लेकिन वास्तविक बुआई मानसून की शुरुआत पर निर्भर करती हैं।
- ख़रीफ़ फ़सलें वर्षा के समय और मात्रा पर अत्यधिक निर्भर होती हैं, साथ ही अनुचित वर्षा पैटर्न उनकी उपज को प्रभावित कर सकता है।
- चावल भारत में सबसे महत्वपूर्ण ख़रीफ़ फसल है, जो गर्म और आर्द्र क्षेत्रों में, विशेषकर पूर्वी और दक्षिणी भागों में उगाया जाता है। इसके लिए विशिष्ट तापमान और वर्षा की आवश्यकता होती है।
- अन्य ख़रीफ़ फ़सलों में ज्वार, मक्का, बाजरा जैसे अनाज, बीज पौधे, कपास और विभिन्न फल, सब्जियां भी शामिल हैं।
- ख़रीफ़ फ़सलों की खेती मानसून के मौसम में की जाती है और यह रबी फ़सलों के विपरीत होती है, जो शुष्क मौसम के दौरान उगाई जाती हैं।

गतिशील निषेधाज्ञा (Dynamic Injunction)

सन्दर्भ: आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप टूर्नामेंट शुरू होने से पहले, दिल्ली उच्च न्यायालय ने विश्व कप के प्रसारक, स्टार इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के समर्थन में एक "गतिशील निषेधाज्ञा" जारी की।

- दिल्ली उच्च न्यायालय ने आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 मैचों के अवैध प्रसारण के लिए नौ वेबसाइटों के खिलाफ निरोधक आदेश जारी किया है।
- अदालत ने पाया कि पायरेसी के इतिहास वाली ये वेबसाइटें विश्व कप के दौरान कॉपीराइट वाली सामग्री साझा कर सकती हैं, जिससे संभावित रूप से स्टार इंडिया को वित्तीय नुकसान हो सकता है।
- इस कानूनी कार्रवाई का उद्देश्य विश्व कप मैचों की अनधिकृत स्ट्रीमिंग और वितरण को रोककर स्टार इंडिया के प्रसारण अधिकारों और राजस्व की रक्षा करना है।

गतिशील निषेधाज्ञा क्या है?

- यह निषेधाज्ञा एक अदालती आदेश है जो आम तौर पर किसी को कुछ करने से रोकता है। हालांकि, यह अदालत द्वारा कॉपीराइट किए गए कार्य और उस पर वादी के अधिकारों की पहचान करने के बाद दिया जाता है।
- कॉपीराइट कार्यों की सुरक्षा में तेजी लाने और ऑनलाइन चोरी को रोकने के लिए, अदालतें कभी-कभी "गतिशील निषेधाज्ञा" का उपयोग करती हैं।
- सार्वजनिक रूप से जारी या वितरित होने से पहले ही कॉपीराइट किए गए कार्यों की सुरक्षा के लिए गतिशील निषेधाज्ञा जारी की जाती है। उनका उद्देश्य नकली वेबसाइटों या उनके नए संस्करणों पर ऐसे कार्यों के तत्काल अपलोड के कारण रचनाकारों और मालिकों को होने वाले संभावित नुकसान को रोकना है।
- दिल्ली उच्च न्यायालय ने ऑनलाइन पायरेसी के मामलों में ऐसे उपायों की आवश्यकता को पहचानते हुए गतिशील निषेधाज्ञा जारी की है, जहां कॉपीराइट सामग्री को तेजी से अपलोड किया जा सकता है और रिलीज होने पर वित्तीय नुकसान हो सकता है।
- गतिशील निषेधाज्ञा बौद्धिक संपदा अधिकारों की रक्षा और अनधिकृत वितरण को रोकने के लिए सक्रिय उपायों के रूप में कार्य करती है।

निषेधाज्ञा मामले के कानून

- **डिज्नी एंटरप्राइजेज बनाम अन्य वेबसाइटें (अगस्त 2020)**- दिल्ली उच्च न्यायालय ने डिज़्नी की कॉपीराइट सामग्री की अनधिकृत स्ट्रीमिंग को सक्षम करने वाली अन्य वेबसाइटों के खिलाफ एक पक्षीय विज्ञापन अंतरिम निषेधाज्ञा दी।
- **यूटीवी सॉफ्टवेयर कम्युनिकेशन लिमिटेड बनाम प्रतिवादी-वेबसाइटें (2017)**- दिल्ली उच्च न्यायालय ने भारत में पहला गतिशील निषेधाज्ञा जारी किया, जिसमें वेबसाइटों को बिना प्राधिकरण के मूल सामग्री साझा करने से रोक दिया गया और आईएसपी को इन वेबसाइटों तक पहुंच को अवरुद्ध करने का निर्देश दिया गया।
- **वार्नर ब्रदर्स एंटरटेनमेंट बनाम अन्य वेबसाइटें** - दिल्ली उच्च न्यायालय ने वेबसाइटों को कॉपीराइट के उल्लंघन से रोकने के लिए इसी तरह के आदेश पारित किए।
- **स्नैपडील प्राइवेट लिमिटेड बनाम अन्य वेबसाइटें**- दिल्ली उच्च न्यायालय ने स्नैपडील प्राइवेट लिमिटेड द्वारा दायर याचिकाओं में गतिशील निषेधाज्ञा दी।
- **इरोज इंटरनेशनल मीडिया लिमिटेड बनाम बॉम्बे हाई कोर्ट**- बॉम्बे हाई कोर्ट ने गतिशील निषेधाज्ञा पर एक अलग दृष्टिकोण अपनाया, जिसमें आवेदकों को यह प्रदर्शित करने की आवश्यकता थी कि पूरी वेबसाइट में केवल अवैध और उल्लंघन कारी सामग्री है, इसमें कोई वैध सामग्री नहीं है और इसके लिये तीन-चरणीय सत्यापन प्रक्रिया की मांग की गई है।
- **टाटा स्काई लिमिटेड बनाम दिल्ली उच्च न्यायालय**- दिल्ली उच्च न्यायालय ने आपत्तिजनक डोमेन नामों के पंजीकरण से संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए एक शिकायत अधिकारी नियुक्त करने की संभावना पर विचार किया।

कॉपीराइट अधिनियम की धारा 37

- कानून की धारा 37 प्रसारण संगठनों को दिए गए "विशेष अधिकार" को संबोधित करती है।
- धारा 37 (2) उन कार्रवाइयों की रूपरेखा प्रस्तुत करती है जो इस अधिकार का उल्लंघन हैं। इसमें मालिक के लाइसेंस के बिना पुन: प्रसारण, शुल्क के लिए जनता को प्रसारण उपलब्ध कराना, प्रसारण रिकॉर्ड करना, लाइसेंस के बिना पुनरुत्पादन करना और ध्वनि या दृश्य रिकॉर्डिंग को बेचना या किराए पर लेना शामिल है।
- इस अधिकार का उल्लंघन धारा 39 के प्रावधानों के अधीन है।
- धारा 39 अपवाद प्रदान करती है जहां ऐसी सामग्री के पुनरुत्पादन को "**निष्पक्ष व्यवहार**" माना जा सकता है न कि कॉपीराइट का उल्लंघन।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण

हाल ही में, केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (सीजेडए) ने ए.एन. झा डियर पार्क की 'मिनी चिड़ियाघर' के रूप में मान्यता रद्द कर दी।

केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (सीजेडए) के बारे में:

- केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत एक वैधानिक निकाय है। यह भारत में चिड़ियाघरों और मिनी चिड़ियाघरों की देखरेख और विनियमन करता है।
- इसकी स्थापना वन्य जीवन (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत की गई थी।
- इसका प्राथमिक उद्देश्य राष्ट्रीय वन्यजीव संरक्षण प्रयासों को पूरा करने के लिए भारत में चिड़ियाघरों की देखरेख और विनियमन करना है।
- यह स्थापित मानकों को पूरा करने वाले चिड़ियाघरों को मान्यता और वित्तीय सहायता प्रदान करता है।
- केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (सीजेडए) चिड़ियाघरों के बीच वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम की अनुसूची-I और II के तहत सूचीबद्ध जीवों के आदान-प्रदान को नियंत्रित करता है।

रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र

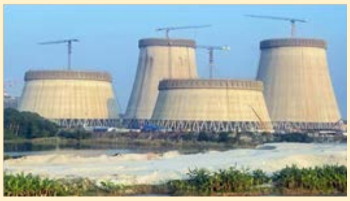

हाल ही में बांग्लादेश को रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के लिए रूसी यूरेनियम की खेप प्राप्त हुई है।

रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के बारे में:

- रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र (RNPP) बांग्लादेश के पबना जिले में पद्मा नदी के किनारे स्थित है।
- यह एक निर्माणाधीन परमाणु ऊर्जा संयंत्र है जिसकी कुल क्षमता 2400 मेगावाट है।
- इसमें दो इकाइयाँ शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक 1200 मेगावाट बिजली का उत्पादन करने में सक्षम है।
- इकाई 1 को 2022 में और इकाई 2 को 2024 में पूरा करने के लिए निर्धारित किया गया था।
- रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र का अत्यधिक महत्व है क्योंकि यह बांग्लादेश का पहला परमाणु ऊर्जा संयंत्र होगा।
- यह परियोजना रूसी रोसाटॉम राज्य परमाणु ऊर्जा निगम द्वारा बनाई जा रही है।
- जून 2018 में, रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र का ठेका हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (एचसीसी) को दिया गया था।

तियांगोंग

चीन ने हाल ही में तियांगोंग (**Tiangong**) अंतरिक्ष स्टेशन को बड़ा करने का निर्णय लिया है।

तियांगोंग के बारे में:

- तियांगोंग, जिसे "स्काई पैलेस" (**Sky Palace**) के नाम से जाना जाता है, चीन का पहला दीर्घकालिक स्व-निर्मित अंतरिक्ष स्टेशन है जो पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थित है।
- चीन मानवयुक्त अंतरिक्ष एजेंसी (**Manned Space Agency -CMSA**) स्टेशन का प्रबंधन और संचालन करती है।
- इसका दबावयुक्त आयतन (pressurized volume) 340 m3 है, जो अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) के आकार का लगभग एक-तिहाई है।
- तियांगोंग में तियान्हे, वेंटियन और मेंगटियन (**Tianhe**, **Wentian** and **Mengtian**) जैसे मॉड्यूल शामिल हैं, जो वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास में योगदान देते हैं।
- यह अंतरिक्ष जीवन विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, द्रव भौतिकी, दहन, सामग्री विज्ञान और मौलिक भौतिकी में प्रयोगों की सुविधा प्रदान करता है।
- **सहयोग:** पोलर-2 मिशन जैसे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, अंतरिक्ष अन्वेषण में चीन के सहयोग को प्रदर्शित करते हैं।

मोंट ब्लांक (Mont Blanc)

हाल ही में शोधकर्ताओं ने पाया है कि फ्रांस का सबसे ऊंचा पर्वत मोंट ब्लांक सिकुड़ रहा है।

अवस्थिति : मोंट ब्लांक (यूरोप की छत) फ्रांस का सबसे ऊंचा पर्वत है, जो देश के दक्षिण-पूर्व क्षेत्र में स्थित है।

ऊंचाई में कमी: 2023 में मापी गई मोंट ब्लांक की चोटी 4,805.59 मीटर है, जो 2021 में इसकी ऊंचाई से 2.22 मीटर कम है।

संभावित कारण: मुख्य जियोमीटर (Chief geometer) जीन डेस गैरेट्स (**Jean des Garets**) का सुझाव है कि सिकुड़न कम वर्षा, विशेष रूप से गर्मियों के दौरान कम बारिश के कारण हो सकती है।

आल्प्स में ग्लेशियर का नुकसान: मोंट ब्लांक का सिकुड़ना ग्लोबल वार्मिंग से जुड़ा है जो आल्प्स पर्वत में ग्लेशियर के सन्दर्भ में चिंता उत्पन्न करता है।

ऐतिहासिक खोज: 2013 में, एक पर्वतारोही ने मोंट ब्लांक पर खजाने का एक बॉक्स खोजा, जिसमें मूल्यवान रत्न भी शामिल थे।

रिकॉर्ड की गई ऊँचाई: मोंट ब्लांक की उच्चतम दर्ज की गई ऊँचाई 2007 में 4,810.90 मीटर थी।

डांडेली वन

हाल ही में, डांडेली जंगल अनियमित मौसम के कारण अपनी विशिष्ट घास और हॉर्नबिल खो रहा है।

अवस्थिति : डांडेली वन भारत के कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में स्थित है।

जैव विविधता:

- यह अपने वन घासों, विविध पक्षी प्रजातियों और पशुपालकों के लिए जाना जाता है, डांडेली वन एक समृद्ध और विविध पारिस्थितिकी तंत्र है।
- इस जंगल की झाड़ियों में लगभग 100 विभिन्न प्रकार की घासों का आवास है, जो भौंकने वाले हिरण, चित्तीदार हिरण (चीतल) और हाथियों जैसे शाकाहारी जानवरों के लिए प्राथमिक भोजन स्रोत के रूप में काम करते हैं।

पारिस्थितिक परिवर्तन: वन पारिस्थितिकी तंत्र की मूलभूत प्रक्रियाएं, जैसे अंजीर के पेड़ों के फूल और फल के पैटर्न में भी बदलाव आया है, जिससे मालाबार पाइड हॉर्नबिल और प्रवासी पक्षियों सहित पक्षियों की आबादी प्रभावित हुई है।

शहद संग्रह में गिरावट: क्षेत्र में फ़िकस के पेड़ों (**ficus trees**) में फूल कम आने के कारण शहद संग्रह में गिरावट आई है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

समाचारों में स्थान **संयुक्त अरब अमीरात**	हाल ही में, भारत और यूएई ने उद्योग और उन्नत तकनीक में निवेश और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। **संयुक्त अरब अमीरात (राजधानी: अबू धाबी)** **भौगोलिक अवस्थिति :** संयुक्त अरब अमीरात पश्चिम एशिया में अरब प्रायद्वीप के पूर्वी छोर पर स्थित है। **राजनीतिक सीमाएँ:** यह दक्षिण-पूर्व में ओमान, दक्षिण और पश्चिम में सऊदी अरब के साथ भूमि सीमाएँ साझा करता है। इसकी फारस की खाड़ी के उत्तर में कतर और उत्तर पूर्व में ईरान के साथ समुद्री सीमाएँ हैं। **भौगोलिक विशेषतायें :** **द्वीप**: संयुक्त अरब अमीरात के तट पर कई द्वीप पाए जाते हैं, जिनमें अबू मूसा तथा ग्रेटर और लेसर ट्यून्स शामिल हैं, जो ईरान के साथ क्षेत्रीय विवादों का विषय रहे हैं। **पर्वत श्रृंखलाएँ**: हजर पर्वत (**Hajar Mountains**), देश के उत्तरपूर्वी हिस्से से होकर ओमान तक विस्तृत हैं। **पर्वत शिखर**: जेबेल जैस (**Jebel Jais**), संयुक्त अरब अमीरात का सबसे ऊँचा पर्वत शिखर है जो रास अल खैमा के पास हजर पर्वत, में स्थित है।
समाचारों में व्यक्तित्व **रामालिंगा स्वामीगल** **(Ramalinga Swamigal)**	हाल ही में प्रधानमंत्री (नरेंद्र मोदी) ने श्री रामालिंगा स्वामीगल की 200वीं जयंती के अवसर पर संबोधित किया। **श्री रामालिंगा स्वामीगल (5 अक्टूबर 1823-30 जनवरी 1874)** ➢ इन्हें भारत और दुनिया भर में वल्लालर, रामलिंग स्वामीगल, या रामलिंग आदिगल के नाम से जाना जाता है। ➢ श्री रामालिंगा स्वामीगल का जन्म तमिलनाडु के चिदम्बरम के पास मरुधुर में हुआ था। ➢ श्री रामालिंगा स्वामीगल19वीं सदी के एक प्रमुख तमिल शैव संत और कवि थे। ➢ वह "ज्ञान सिद्धार" ("**Gnana Siddhars**) परंपरा से थे, यह परम्परा उच्च ज्ञान पर जोर देती थी। **शिक्षाएँ और योगदान:** ➢ उन्होंने समरस शुद्ध सन्मार्ग साथिया संगम (**Samarasa Suddha Sanmarga Sathiya**) का प्रसार किया, जिसका उद्देश्य प्रेम, दान और दैवीय अभ्यास के माध्यम से जाति व्यवस्था को समाप्त करना था। ➢ उन्होंने 1872 में वडालूर में "सत्य ज्ञान सभा" (सच्चे ज्ञान का हॉल) खोला, जिसमें जीवित प्राणियों की सेवा और मृत्यु के खिलाफ लड़ाई पर जोर दिया गया। ➢ उन्होंने करुणा, अहिंसा और मांस रहित जीवन शैली पर जोर देते हुए तिरुक्कुरल की शिक्षाओं को बढ़ावा दिया। ➢ उन्होंने वडालूर में गरीबों को मुफ्त भोजन उपलब्ध कराने के लिए "सत्य धर्म सलाई" की स्थापना की। ➢ उन्होंने वडालुर में "सत्य ज्ञान सभा" (सच्चे ज्ञान का हॉल) खोला गया, जिसमें भगवान के मार्ग के रूप में करुणा और दया पर जोर दिया गया। ➢ उन्होंने जातिविहीन समाज की वकालत की, अंधविश्वासों का विरोध किया और जन्म पर आधारित असमानता की निंदा की।

POINTS TO PONDER

- **प्रकाश की एटोसेकंड स्पंद (attosecond pulses of light) पर उनके काम के लिए हाल ही में भौतिकी में किसे नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है?** - पियरे एगोस्टिनी, फेरेन्क क्राउज़ और ऐनी एल 'हुइलियर
- **पाम तेल फसलों की तीन किस्में कौन-कौन सी हैं?** - ड्यूरा, टेनेरा और पिसीफोरा
- **नील नदी के बाद दूसरी सबसे लंबी नदी (6,437 कि. मी.) कौन सी है?** - अमेज़न नदी
- **भारत और बांग्लादेश ने अभ्यास सम्प्रीति XI कब शुरू किया?** - 3 अक्टूबर 2023
- **हाल ही में 100 से अधिक पुरापाषाण गुफा चित्रों की पहचान कहाँ की गई थी?** - कोवा डोन्स, पूर्वी स्पेन